bdkbl
2

मस्ती की पाठशाला (मिलकर गाएँ)

चलो नई शुरुआत करें,
जो मन भाए बात करें।
चलो बनाएँ लंबी रेल,
मिलकर खेलेंगे सब खेल।
आओ झूमें, नाचें–गाएँ,
खुश होकर विद्यालय जाएँ।

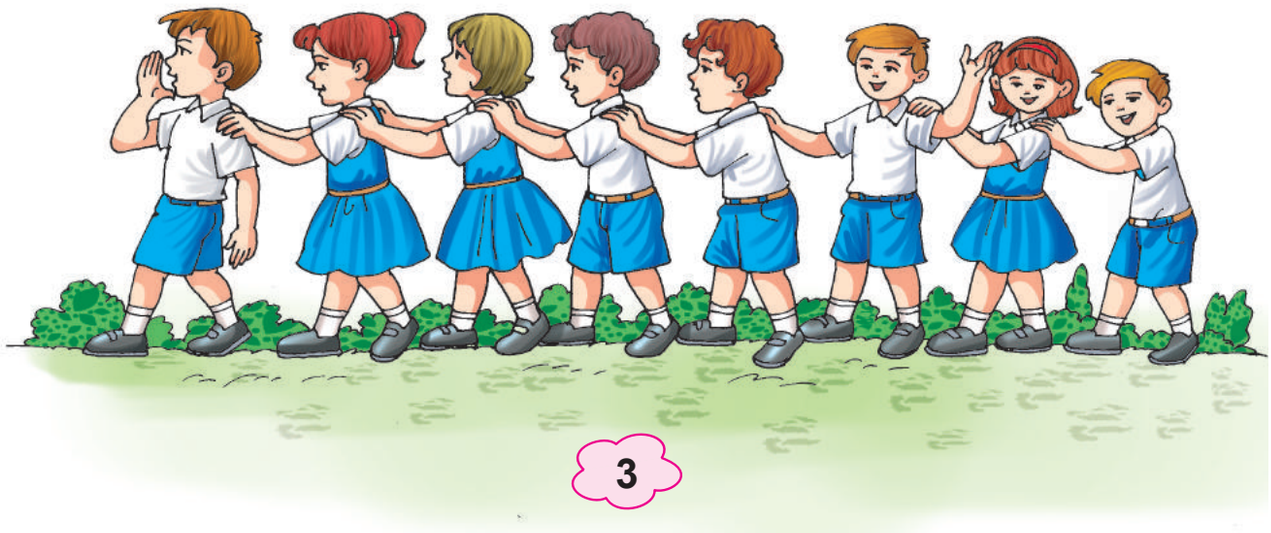

jy dk [ky

आओ खेलें रेल का खेल,
हम भी एक बनाएँ रेल।
ऐसी रेल बनाएँ जिसमें,
सारे मिलकर खेलें खेल।

आती रेल जाती रेल,
सीटी हमें सुनाती रेल।

सबको सैर कराती रेल,
बच्चों को बहलाती रेल।

रेलम रेल, रेलम रेल,
आओ सारे खेलें खेल।

lojk

हुआ सवेरा जागो भाई,
किरणों ने भी ली अँगड़ाई।
बच्चो, तुम भी अब उठ जाओ,
मात–पिता को शीश नवाओ।

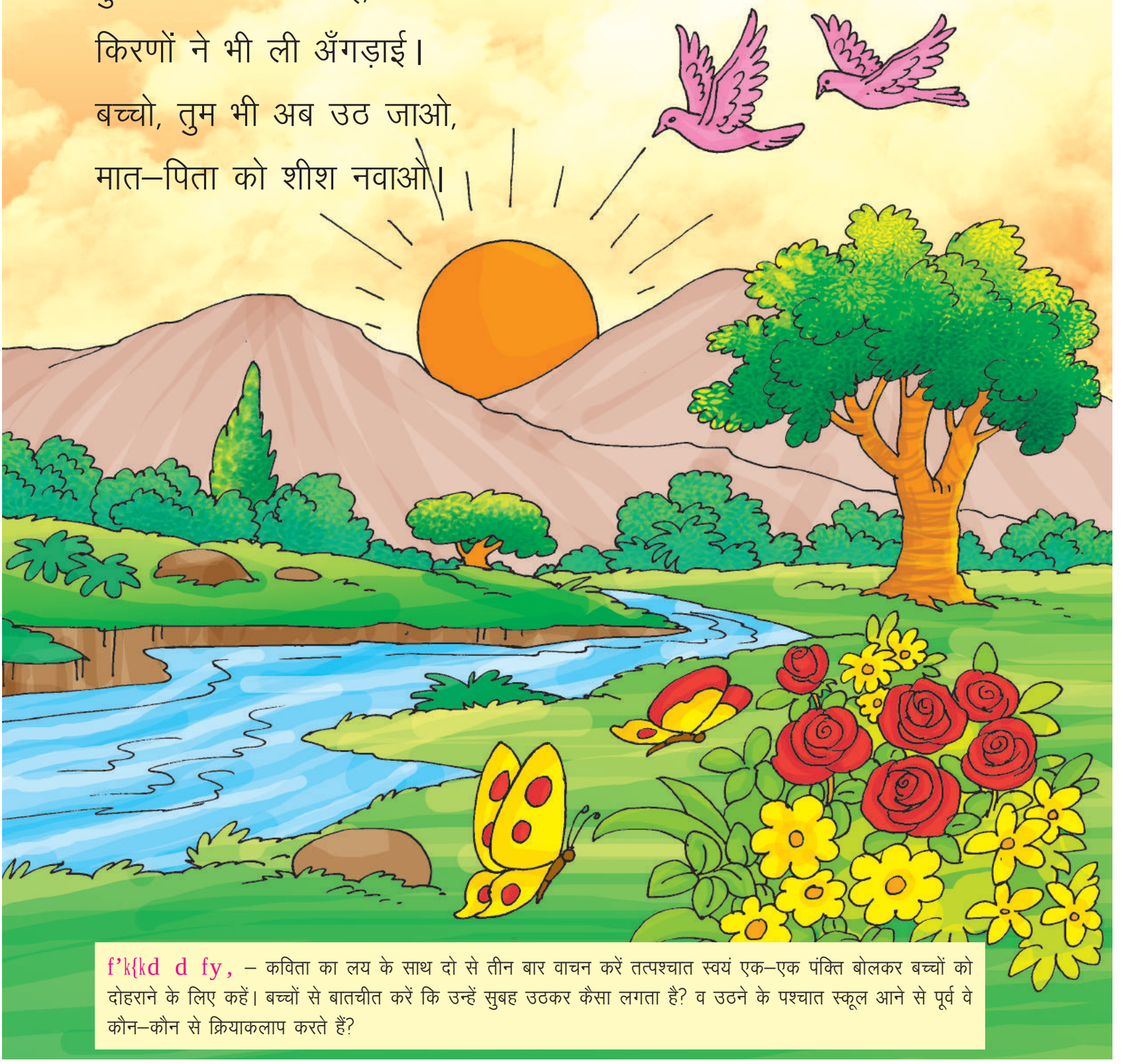

f'k{kd d fy, – कविता का लय के साथ दो से तीन बार वाचन करें तत्पश्चात स्वयं एक–एक पंक्ति बोलकर बच्चों को दोहराने के लिए कहें। बच्चों से बातचीत करें कि उन्हें सुबह उठकर कैसा लगता है? व उठने के पश्चात स्कूल आने से पूर्व वे कौन–कौन से क्रियाकलाप करते हैं?